हिंदी विभाग : रिपोर्ट

2021 - 2022

अकादमिक वर्ष 2021-22, भारत की आजादी के 75वें साल के उत्सव का भी साल है। देश 2021-22 को ***आजादी के अमृत महोत्सव*** के तौर पर मना रहा है। श्याम लाल कॉलेज के हिन्दी विभाग ने भी आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत विभिन्न विभागीय कार्यक्रमों का आयोजन किया। इन कार्यक्रमों का लक्ष्य विद्यार्थियों को अपने विषय क्षेत्र का परिचय देने के साथ-साथ राष्ट्रीय-सांस्कृतिक मूल्यों से अवगत कराना भी था। भारत की राजभाषा के तौर पर हिन्दी देश की अस्मिता का प्रतीक है। इसी विचार को ध्यान में रखकर हिन्दी विभाग के प्रभारी ***डॉ प्रभात शर्मा*** के नेतृत्व में हिन्दी विभाग द्वारा 2021-22 के दौरान कई कार्यक्रमों का सफल और सार्थक आयोजन किया गया।

इस कड़ी में सबसे पहला कार्यक्रम ***हिंदी दिवस (14 सितंबर)*** के उपलक्ष्य में मनाया गया। यह कार्यक्रम मुख्य तौर पर कार्यालय मे हिन्दी को प्रोत्साहन देने के लिए था। कार्यक्रम मे बोलते हुए प्राचार्य रबि नारायण कर ने कॉलेज के प्रशासनिक कार्यों में हिन्दी का उपयोग बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया और कर्मचारियों को प्रोत्साहित किया।

हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य पर दूसरा कार्यक्रम 15 सितंबर, 2021 को आयोजित किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष में राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन में हिन्दी की ऐतिहासिक भूमिका का परिचय छात्रों को कराने के लिए हिन्दी विभाग और महाविद्यालय के ***आईक्यूएसी*** द्वारा संयुक्त रूप से ***'राष्ट्रीय स्वतंत्रता आंदोलन और हिन्दी'*** विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स के एसोसिएट प्रोफेसर एवं अध्यक्ष ***डॉ रवि शर्मा 'मधुप'*** इस वेबिनार के मुख्य वक्ता थे। डॉ रवि शर्मा ने बताया कि आजादी के आंदोलन में हिन्दी साहित्य और पत्रकारिता द्वारा किस तरह से देशभक्ति की भावना जगाने का काम

किया गया। हिन्दी विभाग के शिक्षकगण, विद्यार्थीगण और अन्य महाविद्यालयों के शिक्षकों ने भी इस वेविनार में शिरकत की।

हिन्दी विभाग द्वारा प्रथम में वर्ष में प्रवेश लेनेवाले विद्यार्थियों के लिए 22 नवंबर, 2021 से तीन दिवसीय ***ओरिएंटेशन कार्यक्रम*** का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्राचार्य महोदय और विभाग के शिक्षकों द्वारा नवागंतुक विद्यार्थियों को कॉलेज और हिन्दी विषय के पाठ्यक्रम से परिचित कराने के अलावा, उन्हें हिन्दी में रोजगार की संभावनाओं के बारे में भी बताया गया। नए दाखिला लेनेवाले विद्यार्थियों के लिए यह कार्यक्रम काफी उपयोगी रहा।

हिंदी विभाग, श्याम कॉलेज अपनी हिंदी साहित्य सभा के माध्यम से वर्षभर छात्रों के लिए उपयोगी विभिन्न प्रकार की गतिविधियों, वार्ताओं, गोष्ठियों आदि का आयोजन करता है। हिंदी विभाग द्वारा यह सिलसिला वर्ष 2022 में भी जारी रहा। ज्ञातव्य है कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण अध्ययन-अध्यापन कार्य अपनी सीमीओं के साथ करीब दो वर्ष से ज्यादा अंतराल तक ऑनलाइन माध्यम से चलता रहता रहा। विश्वविद्यालय में प्रत्यक्ष कक्षाओं का

आयोजन शुरू होने के बाद से अध्ययन-अध्यापन और आपसी संवाद की प्रक्रिया फिर से नए उमंग के साथ शुरू हुई है।

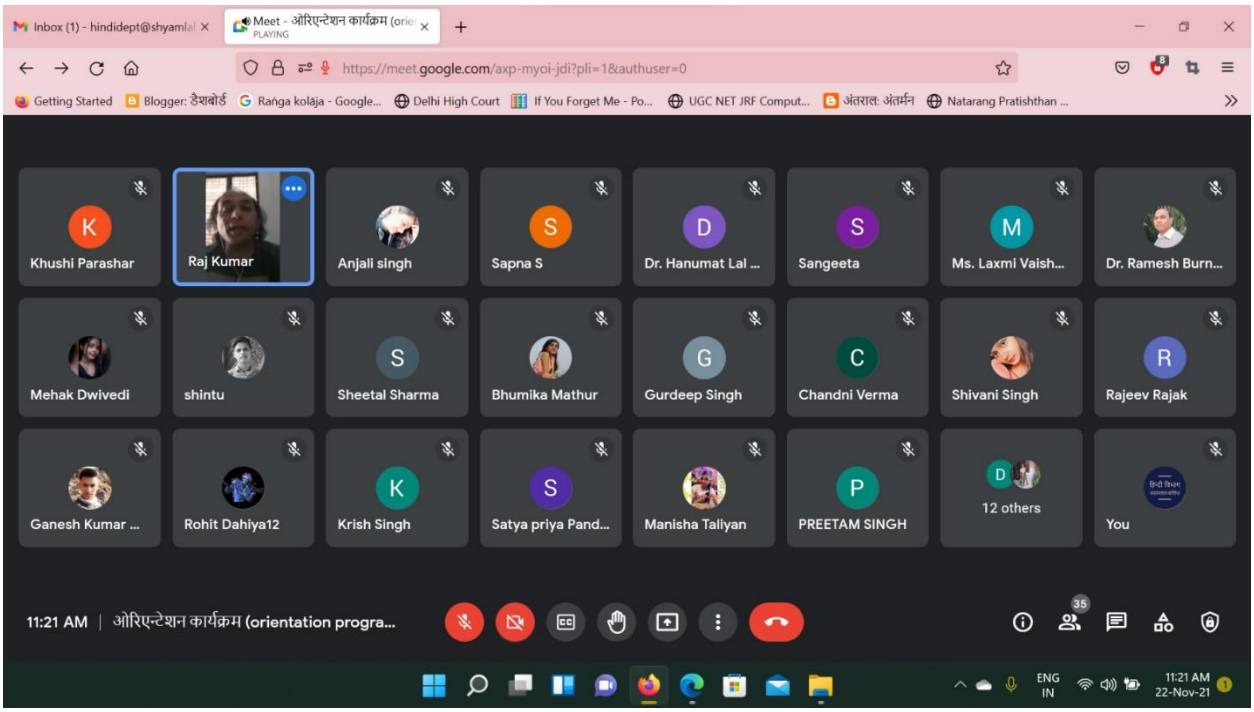

वर्ष 2022 की शुरुआत ऑनलाइन माध्यम से ही शिक्षण कार्य के साथ हुई। विभाग द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ मिलकर विश्व मातृभाषा दिवस के अवसर पर **21 फरवरी, 2022** को जूम प्लेटफॉर्म पर ***'मातृभाषा और अस्मिता का प्रश्न'*** विषय पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। प्रसिद्ध कवि और प्रतिष्ठित पत्रिका नया ज्ञानोदय के पूर्व संपादक श्री **लीलाधर मंडलोई** इस आयोजन के मुख्य वक्ता थे। उन्होंने मातृभाषा के महत्व और

हमारे समाज और संस्कृति की रक्षा के लिए मातृभाषाओं की रक्षा और उनके प्रसार की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने कहा कि मातृभाषा हमारी सांस्कृतिक स्मृतियों, मिथकों, इतिहास आदि का अभिलेखागार होती हैं और अपनी संस्कृति को बचाने के लिए मातृभाषा को बचाना और उसे एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक लेकर जाना जरूरी है। इस वेबिनार में प्राचार्य प्रोफ़ेसर रबि नारायण कर भी मौजूद थे। कार्यक्रम के अंत में विभाग के प्रभारी डॉ प्रभात शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया। 50 से ज्यादा विद्यार्थियों ने इस वेबिनार का लाभ उठाया।

9-10 मार्च, 2022 को हिंदी विभाग तथा आईक्यूएसी, श्यामलाल कॉलेज के संयुक्त तत्वाधान में हिंदी विभाग के ***वार्षिक महोत्सव*** का आयोजन किया गया। इस वार्षिक महोत्सव के अंतर्गत कविता प्रतियोगिता, वाद विवाद प्रतियोगिता, साहित्यिक प्रश्नोत्तरी, आशुलेखन प्रतियोगिता का विभाग द्वारा आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में हिंदी विभाग के अलावा कॉलेज के दूसरे विभागों के छात्रों ने भी भागीदारी की। इस आयोजन में विजय छात्रों को पुरस्कारों से पुरस्कृत किया गया। इन प्रतियोगिताओं में 50 से ज्यादा विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

दिनांक ***30 अप्रैल, 2022*** को हिन्दी विभाग के द्वारा कालेज के सेमिनार कक्ष में एक वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता के लिए एक बहुत ही प्रासंगिक विषय 'सिनेमा केवल मनोरंजन का माध्यम है ?' रखा गया। इस प्रतियोगिता में हिन्दी आनर्स के छात्रों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया और अपने तर्कों और भाषा शैली से श्रोताओं,निर्णायक मंडल और उपस्थित अध्यापकों को प्रभावित किया। निर्णायक मंडल में डॉ सत्यप्रिय पाण्डेय,डॉ रमेश कुमार बर्णवाल और डॉ संदीप जायसवाल शामिल थे। उन्होंने प्रतियोगिता के पश्चात बच्चों को उपयोगी परामर्श दिये। प्रतियोगिता में अमित (द्वितीय वर्ष), शिंटू (प्रथम वर्ष), आफताब(तृतीय वर्ष) को विजेता के रूप में प्रमाण-पत्र दिया गया। कार्यक्रम के संचालन का दायित्व हिन्दी प्रथम वर्ष की अंजलि सिंह और द्वितीय वर्ष के अमित ने संभाला। कार्यक्रम के अंत में हिन्दी विभाग के प्रभारी डॉ प्रभात शर्मा ने इस कार्यक्रम के सफलता के साथ आयोजन के लिए विभाग के छात्रों और शिक्षकों को धन्यवाद दिया।

हिंदी विभाग
तथा
आई.क्यू.ए.सी
श्याम लाल कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)
वार्षिकोत्सव - 2022
9 मार्च, बुधवार
• कविता प्रतियोगिता
• साहित्यिक प्रश्नोत्तरी
समय: प्रातः10.30 बजे
स्थान:कक्ष संख्या 24
प्रभारी
डॉ.प्रभात शर्मा
संयोजक, IQAC
वाद-विवाद

हिंदी विभाग
तथा
आई.क्यू.ए.सी
श्याम लाल कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्यालय)
वार्षिकोत्सव - 2022
9 मार्च, बुधवार
10 मार्च, बृहस्पतिवार
• कविता प्रतियोगिता
• साहित्यिक प्रश्नोत्तरी
समय: प्रातः10.30 बजे
स्थान:कक्ष संख्या 24
• वाद -विवाद प्रतियोगिता
• आशु लेखन प्रतियोगिता
संयोजक, IQAC
प्रो.कुशा तिवारी
प्राचार्य
वाद-विवाद प्रतियोगि

हिंदी विभाग
तथा
आई.क्यू.ए.सी
श्याम लाल कॉलेज (दिल्ली विश्वविद्या
वार्षिकोत्सव - 2022
समय: प्रात:10.30 बजे
स्थान:कक्ष संख्या 24
योजक, IQAC
कुशा तिवारी
वाद- विवा
शांति

हिन्दी
विभाग

हिन्दी विभाग
तथा
आई.क्यू.ए.सी
(श्यामलाल कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय)
वाद-विवाद प्रतियोगिता